विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -22 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

समस्त पद - समास की प्रक्रिया के बाद जो नया शब्द बनता है उसे सामासिक पद या समस्त पद कहते हैं।

समास-विग्रह - समस्त पद को फिर से पहले जैसी स्थिति में लाने की प्रक्रिया समास-विग्रह कहलाती है। समस्त पद

समस्त पद	**समास विग्रह**
विद्यालय	विद्या के लिए आलय (घर)
विश्राम गृह	विश्राम के लिए घर

समस्त पद में दो पद होते हैं - पूर्वपद और उत्तर पद

विद्यालय	विद्या	आलय	विद्या के लिए आलय
(समस्त पद)	(पूर्वपद)	उत्तरपद	(समास-विग्रह

समास के भेद

समास के छः भेद होते है-

1. **तत्पुरुष समास**
2. **अव्ययीभाव समास**
3. **कर्मधारय समास**
4. **द्विगु समास**
5. **द्वंद्व समास**
6. **बहुव्रीहि समास**

तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास की परिभाषा

तत्पुरुष समास वह होता है, जिसमें उत्तरपद प्रधान होता है, अर्थात प्रथम पद गौण होता है एवं उत्तर पद की प्रधानता होती है व समास करते वक़्त बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।

इस समास में आने वाले कारक चिन्हों को, से, के लिए, से, का/के/की, में, पर आदि का लोप होता है।

तत्पुरुष समास के उदाहरण

- मूर्ति को बनाने वाला- मूर्तिकार
- काल को जीतने वाला- कालजयी
- राजा को धोखा देने वाल- राजद्रोही
- खुद को मारने वाला- आत्मघाती
- मांस को खाने वाला- मांसाहारी
- शाक को खाने वाला- शाकाहारी

तत्पुरुष समास के भेद

कारक चिन्हों के अनुसार इस समास के छः भेद हो जाते है।

- कर्म तत्पुरुष समास
- करण तत्पुरुष समास
- सम्प्रदान तत्पुरुष समास
- अपादान तत्पुरुष समास
- सम्बन्ध तत्पुरुष समास
- अधिकरण तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास के प्रकार

कर्म तत्पुरुष- यह समास **'को'** चिन्ह के लोप से बनता है।

जैसे: ग्रंथकार : ग्रन्थ को लिखने वाला

करण तत्पुरुष- यह समास दो कारक चिन्हों **'से'**और **'के द्वारा'** के लोप से बनता है।

जैसे: वाल्मिकिरचित : वाल्मीकि के द्वारा रचित